

बशिनोई, काला हरिण और चकारा

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को वर्ष 1998 में कथित तौर पर काले हरिण (Antelope cervicapra) का शिकार करने के लिये बशिनोई समुदाय की आलोचना का सामना करना पड़ा।

बशिनोई समुदाय के बारे में मुख्य बडि क्या हैं?

परिचय:

- बशिनोई, मुख्य रूप से एक हद्वि संप्रदाय (ऐतहासिक रूप से अंग्रेजों ने उन्हें मुस्लिम के रूप में वर्गीकृत किया था) है जो पश्चिमी राजस्थान के थार रेगसिस्तान में रहते हैं।
- बशिनोई समुदाय, जिसकी स्थापना वर्ष 1451 ई. में जनमेगुरु जम्भेश्वरजी द्वारा दिये गए 29 सदिधांतों के आधार पर की गई थी, यह समुदाय वन्यजीवों, विशेषकर काले हरिणों और चकारा के संरक्षक हैं।
 - इनमें से आठ सदिधांत जीवित प्राणियों के प्रति करुणा और जैवविविधता की रक्षा पर जोर देते हैं।
 - अपने 29 सदिधांतों के अतिरिक्त, गुरु जांभोजी ने 120 कथन या शब्दों का एक समूह की भी रचना की।
- बशिनोई समुदाय की पर्यावरण के प्रति सजगता प्रकृति के लिये उनके ऐतहासिक बलिदानों से उपजी है, जिनमें वर्ष 1730 का खेजड़ी नरसंहार भी शामिल है।
 - वर्ष 1730 के खेजड़ी नरसंहार में, अमृता देवी के साथ 363 बशिनोईयों ने महाराजा अभय सहि (जोधपुर के महाराजा) के सैनिकों से खेजड़ी के पेड़ों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। समुदाय ने शिकारियों और अवैध शिकारियों से थार के वन्यजीवों की भी रक्षा की है।

संरक्षण:

- राजस्थान के रेगसिस्तानी क्षेत्र में वन्यजीव बशिनोई समुदायों के आसपास स्थित हैं, जहाँ समुदाय द्वारा सक्रिय रूप से वनस्पतियों और जीवों की रक्षा की जाती है।
- बशिनोई समुदाय विशेष रूप से काले हरिण, चकारा, ग्रेट इंडियन बसटर्ड और खेजड़ी वृक्ष संरक्षण है।

काला हरिण कौन हैं?

परिचय:

- काले हरिण (*Antelope cervicapra*) है, जिसे 'भारतीय मृग' (Indian Antelope) के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत और नेपाल में मूल रूप से स्थानिक मृग की एक प्रजाति है।
- ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों (संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत) में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
- ये घास के मैदानों में सर्वाधिक पाए जाते हैं अर्थात् इसे घास के मैदान का प्रतीक माना जाता है।
- कृष्णमृग एक दैनंदिनी मृग (Diurnal Antelope) है अर्थात् यह मुख्य रूप से दिन के समय ज़्यादातर सक्रिय रहता है।

मान्यता: इसे पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश का राज्य पशु घोषित किया गया है।

सांस्कृतिक महत्त्व: यह हद्वि धर्म में पवित्रता का प्रतीक है क्योंकि इसकी त्वचा और सींग को पवित्र वस्तु माना जाता है। बौद्ध धर्म में यह सफलता (गुडलक) का प्रतीक है।

• वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 अनुसूची

• IUCN स्थिति: कम चिंताजनक

• CITES: परशिषिट III

चिताएँ:

• आवास वखिंडन, वनों की कटाई, प्राकृतिक आपदाएँ, अवैध शिकार।

संबंधित संरक्षित क्षेत्र:

• वेलावदार ब्लैकबक अभयारण्य- गुजरात

• प्वाइंट कैलमिर वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु

चकिारा क्या हैं?

- चकिारा, या भारतीय गज़ेल (*Gazella gazelle gazelle*), एक सुंदर मृग प्रजाति है जो भारत, पाकिस्तान और ईरान की मूल नवासी है ।
- संबंधित संरक्षण क्षेत्र: मेलघाट टाइगर रज़िर्व (महाराष्ट्र) ।
- संरक्षण स्थिति:
 - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972: अनुसूची I
 - IUCN स्थिति: कम चिंताजनक
 - CITES: परशिषिट III

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न:

प्रश्न. भारतीय अनुप मृग (बारहसगिा) की उस उपजाति, जो पक्की भूमिपर फलती-फूलती है और केवल घासभक्षी है, के संरक्षण के लिये नमिनलखिति में से कौन-सा संरक्षण क्षेत्र प्रसदिध है? (2020)

- (a) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
- (b) मानस राष्ट्रीय उद्यान
- (c) मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य
- (d) ताल छापरा वन्यजीव अभयारण्य

उत्तर: (a)